

पूरे शुजालपुर ने दी अपने लाल को अंतिम विदाई



मध्यप्रदेश के शुजालपुर में शनिवार को मातम पसर रहा, भारतीय सेना ने कार्य कर रहे दीर्घक चौधरी का अंतिम संस्कार दिया गया। उनका देहांत बलितान हो गया। जो भारतीय सेना में लेह लद्दाख में अपनी सेवाएं दे रहे थे और वहीं बलितान हो गए। शनिवार को शुजालपुर मंडी के निवासी से उनकी अंतिम यात्रा निकाली गयी, इसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने शामिल होकर उन्हें अंतिम विदाई दी। सुक्रवार श्रम उनकी पत्नी पॉयंडी देव भावेल पहुंचे, जानकरी के अनुसार लद्दाख में ताम्रनाम की कमी के कारण उनकी तन्वीत मिश्रा और इलाज के दौरान उनका देहवासन हो गया। दीर्घक चौधरी वर्ष 2006 में भारतीय सेना में प्रवेश हुए थे, दीर्घक ने शुजालपुर मंडी के सरस्वती शिशु मंदिर से वर्ष 2003 में हाई स्कूल और वर्ष 2005 में उच्च शिक्षण स्कूल से स्नातक स्तर की परीक्षा पास की थी, कुछ सेना की सेवा का अनुभव दीर्घक ने दिल्ली विभाग पर था और 2006 में उनके वीरगी कर भारतीय सेना के लिए चयन सुनिश्चित किया था। दीर्घक के पिता तेज प्रकाश चौधरी शहर में प्रसिद्ध सविन करते हैं, छोटा बाई पवन चौधरी एक निजी बैंक में शुजालपुर में कर्मचारी के रूप में कार्यरत हैं, वर्ष 2008 में उनकी शादी खुशी थी, बड़ी बेटी 8 वर्षीय कनिष्का व छोटी बेटी 4 वर्षीय प्रसन्न ही परिवार को जन्म पर आने का वादा कर ड्यूटी पर गए थे।

सूर्य का अध्ययन करने भारत का पहला अन्तरिक्ष यान सफलतापूर्वक प्रक्षेपित



भोपाल। आदित्य एल-1 सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला अंतरिक्ष आयात भारतीय मिशन होगा। अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैंग्रेंज बिंदु 1 (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में रखा जाएगा, जो पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किमी दूर है। रास्ते के चारों ओर प्रभामंडल कक्षा में रहे हुए उग्रग्रह को निम्न किसी ग्रहण/प्रणालय को लगातार देखने का प्रसन्न लाभ होता है। भारतीय अंतरिक्ष प्रसन्न के लैंग्रेंज बिंदु 1 (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में रखा जाएगा, जो पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किमी दूर है। रास्ते के चारों ओर प्रभामंडल कक्षा में रहे हुए उग्रग्रह को निम्न किसी ग्रहण/प्रणालय को लगातार देखने का प्रसन्न लाभ होता है। भारतीय अंतरिक्ष प्रसन्न के लैंग्रेंज बिंदु 1 (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में रखा जाएगा, जो पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किमी दूर है। रास्ते के चारों ओर प्रभामंडल कक्षा में रहे हुए उग्रग्रह को निम्न किसी ग्रहण/प्रणालय को लगातार देखने का प्रसन्न लाभ होता है।

संयुक्त संघटन से लॉन्च किया गया। रॉकेट ने 63 मिनट 19 सेकंड बाद आदित्य को 235 x 19500 Km की पृथ्वी की ओर लैंग्रेंज बिंदु 1 कक्षा में प्रक्षेपित कर दिया। कक्षा 4 महीने बाद वह 15 लाख किलोमीटर दूर लैंग्रेंज बिंदु 1 तक पहुंचेगा। इस बिंदु पर ग्रहण का प्रभाव नहीं पड़ता, जिसके चलते सूर्य के सुरुज पर आसानी से रिसर्च की जा सकती है।
5 पॉइंट में जॉर्ज आदित्य L1 का सफर - PSLV रॉकेट ने आदित्य को 235 x 19500 किलोमीटर की पृथ्वी की कक्षा में छोड़ा।
- 16 दिनों तक पृथ्वी की कक्षा में रहेगा। 5 बार अंतरिक्ष फायर कर ऑर्बिट बदलेगा।
- फिर से आदित्य के अंतरिक्ष फायर होंगे और वे L1 पॉइंट की ओर निकल जाएंगे।
- 110 दिनों के सफर के बाद आदित्य अंतरिक्ष यान इस पॉइंट के पास पहुंचेगा जहां का सूर्य

- अंतरिक्ष फायरिंग के जरिए आदित्य को लैंग्रेंज बिंदु 1 (L1) पॉइंट में डाल दिया जाएगा। लैंग्रेंज बिंदु-1 (L1) का सूर्य? लैंग्रेंज बिंदु का नाम इतालवी-फ्रेंच मैथमेटिशियन जोसेफ़ी-लुइजि लैंग्रेंज के नाम पर रखा गया है। इसे वोलचाल में नाम से जाना जाता है। ऐसे पांच पॉइंट पृथ्वी और सूर्य के बीच हैं, जहां सूर्य और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल बराबर हो जाता है और सौर प्रणाली में वजन बराबर होता है। ऐसे में इस जगह पर अंतरिक्ष यानों को रखा जाता है तो वह आसानी से दोनों के बीच स्थिर रहता है और उस पॉइंट के आस-पास चक्कर लगाकर शुरू कर देता है। पहला लैंग्रेंज बिंदु पृथ्वी और सूर्य के बीच 15 लाख किलोमीटर की दूरी पर है।

L1 पॉइंट पर ग्रहण वेअर, इडलिंग चक्र में भ्रमण जा रहा

पटरावी भर्ती परीक्षा में चयनित अघुसे पड़ने के बाद अब FIR, पुलिस खुद बनी परियादी

भोपाल। भोपाल में पटरावी परीक्षा भर्ती परीक्षा में चयनित अघुसे पड़ने के बाद अब FIR, पुलिस खुद बनी परियादी है। इसके ऊपर धारा 143, 188 के तहत मामला दर्ज हुआ है जिसमें अनुभवित के बिना धरना प्रदर्शन करने और शांति भंग करने का आरोप है। चयनित अघुसे पड़ने पर एक आईआर बत दे कि पटरावी भर्ती परीक्षा में चयनित अघुसे पड़ने में अपनी भूमिका की मांग को लेकर नौलम पार्क में प्रदर्शन किया था और रविवार को इसे लेकर पुलिस ने लात घुसे से उनकी परीक्षा की थी। ये लात लंबे समय से अपने निर्भूक को मांग कर रहे हैं और इस कारण थोड़े दिनों के लिए सड़क पर जाप की स्थिति भी बन गई है। ये लोग भिलाई पार्क में धरने के लिए पर्यटकों को धरते हैं। इसके ऊपर धारा 143, 188 के तहत मामला दर्ज हुआ है जिसमें अनुभवित के बिना धरना प्रदर्शन करने और शांति भंग करने का आरोप है।

चयनित अघुसे पड़ने पर एक आईआर बत दे कि पटरावी भर्ती परीक्षा में चयनित अघुसे पड़ने में अपनी भूमिका की मांग को लेकर नौलम पार्क में प्रदर्शन किया था और रविवार को इसे लेकर पुलिस ने लात घुसे से उनकी परीक्षा की थी। ये लात लंबे समय से अपने निर्भूक को मांग कर रहे हैं और इस कारण थोड़े दिनों के लिए सड़क पर जाप की स्थिति भी बन गई है। ये लोग भिलाई पार्क में धरने के लिए पर्यटकों को धरते हैं। इसके ऊपर धारा 143, 188 के तहत मामला दर्ज हुआ है जिसमें अनुभवित के बिना धरना प्रदर्शन करने और शांति भंग करने का आरोप है।

अल्पवर्षी से उपग्रह चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी ताकत से काम करेंगे - मु यमंत्रि चौहान

मु यमंत्रि चौहान भगवान महाकाल से वर्षा के लिए प्रार्थना करने उज्जैन जायेंगे



भोपाल। आदित्य एल-1 सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला अंतरिक्ष आयात भारतीय मिशन होगा। अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैंग्रेंज बिंदु 1 (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में रखा जाएगा, जो पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किमी दूर है। रास्ते के चारों ओर प्रभामंडल कक्षा में रहे हुए उग्रग्रह को निम्न किसी ग्रहण/प्रणालय को लगातार देखने का प्रसन्न लाभ होता है। भारतीय अंतरिक्ष प्रसन्न के लैंग्रेंज बिंदु 1 (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में रखा जाएगा, जो पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किमी दूर है। रास्ते के चारों ओर प्रभामंडल कक्षा में रहे हुए उग्रग्रह को निम्न किसी ग्रहण/प्रणालय को लगातार देखने का प्रसन्न लाभ होता है।

की स्थिति से निपटने के लिए पूरी ताकत से काम करेंगे। बिजली की डिमांड भी बढ़ गई है। इसके लिए बैकल व्यवस्था भी की। डेम से पानी छेड़कर फसलों को बचाव करा गया। मु यमंत्रि चौहान ने कहा कि ग्रामीण युवाओं को नेगार देने की व्यवस्था पर भी ध्यान दिया जा रहा है। परकल और निस्तर के पानी की व्यवस्था करेगी। मु यमंत्रि चौहान ने अधिकारियों को निर्दिष्ट किया कि कल उद्योगिता समिति की बैठक जरूर कर लें जहां पानी उपलब्ध है वहां डेम से पानी जहाँ की व्यवस्था करेगी जहाँ का परकल कर लें जहाँ से पानी बिताना पानी उपलब्ध है, इन्होंने जानकारी भी ली। जिहा अधिकारी उपस्थित थे। मु यमंत्रि चौहान ने कहा कि अग्रकृत महत्त्व से प्रार्थना करते कल उज्जैन जायेंगे। मु यमंत्रि चौहान आज नियम कांतिन स्थित समल भवन

में अल्पवर्षी की स्थिति से निपटने के लिए आर्गेनित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मु यमंत्रि चौहान ने कहा कि ग्रामीण युवाओं को नेगार देने की व्यवस्था पर भी ध्यान दिया जा रहा है। परकल और निस्तर के पानी की व्यवस्था करेगी। मु यमंत्रि चौहान ने अधिकारियों को निर्दिष्ट किया कि कल उद्योगिता समिति की बैठक जरूर कर लें जहाँ पानी उपलब्ध है वहाँ डेम से पानी जहाँ की व्यवस्था करेगी जहाँ का परकल कर लें जहाँ से पानी बिताना पानी उपलब्ध है, इन्होंने जानकारी भी ली। जिहा अधिकारी उपस्थित थे। मु यमंत्रि चौहान ने कहा कि अग्रकृत महत्त्व से प्रार्थना करते कल उज्जैन जायेंगे। मु यमंत्रि चौहान आज नियम कांतिन स्थित समल भवन

मु यमंत्रि चौहान ने अल्पवर्षी से निपटने के संबंध में अधिकारियों से किया विचार-विमर्श
भोपाल। मु यमंत्रि श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अल्पवर्षी के कारण प्रदेश में खरीप फसलों के बचाने, बिजली की बढ़ती मांग, ग्रामीण युवाओं को नेगार देने और परकल की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से जारी रखने की संघर्षित चुनौतियों का मुकदल करने के लिए राज्य सरकार पूरी ताकत से काम करेगी। संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार पूरी तलह कियाने के साथ खड़ी है। मु यमंत्रि श्री चौहान ने कहा है कि वे भगवान महाकाल से प्रार्थना करते कल उज्जैन जायेंगे। मु यमंत्रि श्री चौहान आज नियम कांतिन स्थित समल भवन

बाबा महाकाल के भरोसे ही देश-शक्तिकांत दास

मध्यप्रदेश के उज्जैन में स्थित विध प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार सुबह रिजव बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास और चौप ऑफ डिफेंस स्टॉफ लॉ टेंटेड जनरल अनिल चौहान बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचे। उन्होंने गर्भगृह में पहुंचकर बाबा महाकाल का पूजन-अर्चना किया। इसके बाद चौप ऑफ डिफेंस स्टॉफ ने ई-कोर्ट में बैटकर महाकाल लोक का भ्रमण भी किया।



ई-कोर्ट में बैटकर महाकाल लोक का भ्रमण किया। दास को मिला है दुनिया के शीर्ष बैंकर का स मान दास को हाल ही में भारतीय रिजव बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास को अमेरिका स्थित प्रिक्का ५६% ग्लोबल फाइनेंस ५०% वैश्विक स्तर पर शीर्ष केंद्रीय बैंकर का स मान दिया गया है। उन्हें ग्लोबल फाइनेंस के केंद्रीय बैंकर रिपोर्ट कार्ड-2023 में 'ए प्लस' रेटिंग दी गई है। इस सूची में तीसरे केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों को 'ए प्लस' रेटिंग दी गई है, जिनमें दास शीर्ष पर हैं। शक्तिकांत दास यह जलत्कि प्राप्त करके महाकाल के चरणों में पहुंचे हैं।

छिंदवाड़ा में आज से पंडित प्रदीप मिश्रा की शिवपुराण कथा

छिंदवाड़ा। कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा पांच सितंबर को छिंदवाड़ा पहुंचे हैं। वे यहां तीन सितंबर तक भगवान शिव की शिवपुराण कथा का पाठ करेंगे। पूर्व मु यमंत्रि कमलनाथ और उनके परिवार के नकतूनना ने इस कथा का आयोजन किया है। इसके लिए व्यासक वैश्याव भी जुकुरी है। पंडित प्रदीप मिश्रा दोपहर दो बजे विशेष हेलीकॉप्टर से छिंदवाड़ा के नरसिंमपुर नाका पहुंचेंगे। यहां कमलनाथ और नकतूनना उनकी आयवनी करी हैं। इस सोभाव्या शुरु होगी जो नगर का भ्रमण करते हुए इन्धालखंड पहुंचेंगे। पंडित प्रदीप मिश्रा की सोभाव्या नरसिंमपुर नाके से प्रारंभ होकर रूपम टीकन, सतोषी माता मंदिर, फार चकक होते हुए शंडल तिहाण और मोती रींगल पैलेस होते हुए इन्धालखंड चौक पर समाप्त होगी। इस दौरान जहर में धारी बहानों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा। परकिने के लिए नगनथ स्क्व और छोटी एएएनएन का गेट भी है। सोभाव्या मार्ग पर सीई के महेनरन उद्यवनवीन भी तप किए गए हैं। कमलनाथ और नकतूनना ने पिछले दिनों बाघेश्वर धाम के पीठियाड पांडित धीरेड कृष्ण शारवी की कथा कराई थी। इस दौरान लाखों लोगों छिंदवाड़ा आए हैं। अब पंडित प्रदीप मिश्रा के भक्त भी बड़ी संख्या में यहां पहुंच सकते हैं। इसे कालनाथ के साँट हिलुवल के साथ ही इलाके के हिंदू बेटों को आकर्षित करने का प्रयास बताया जा रहा है। हाल ही में मु यमंत्रि शिवराज सिंह चौहान ने जामसंकीली में भयव रहणामा लोक बचाने की योजना का भूमिपुनर्ग भी किया है।

सबके मंगल की कामना की रिजव बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास शनिवार सुबह विध प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल के दरबार करने

झाबुआ के तत्कालीन कले टर और सीईओ जिला पंचायत को 4-4 साल की जेल

मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले में कले टर रहे श्री जगदेश्वर शर्मा आईएसए एवं जिला पंचायत के मु य कार्यपालन अधिकारी की जगमोहन पुर्वे सहित कुल 7 लोगों को न्यायालय ने 4-4 साल जेल की सजा सुनाई है। कुल 9 लोगों के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल किया था।

प्रेस के महिला का नाम मुकुंज शर्मा बताया गया। जबकि शासकीय मुद्रणालय में वह काम 5,83,891 रुप में हो जाता। ऐसे में शासन को 27,70, 725 रुप का नुकसान पहुंचा। मामले में हुई शिकायत और विवेण न्यायालय में टापर किए गए परिवार के बंद जांच के लिए प्रकलण विशेष पुलिस स्थापना लोकायुक्त भेंट कर स मान किया। मीडिया से बहिर्चीत में दास ने कहा कि बाबा महाकाल के बूटल अच्चे दरसन हुए। मैंने यहां पूजन भी की लगाया। आरबीआई गवर्नर दास का स मान श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति की ओर से श्री महाकालेश्वर भगवान की तस्वीर देकर कर स मान किया। मीडिया से बहिर्चीत में दास ने कहा कि बाबा महाकाल के बूटल अच्चे दरसन हुए। मैंने यहां पूजन भी की लगाया। आरबीआई गवर्नर दास का स मान श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति की ओर से श्री महाकालेश्वर भगवान की तस्वीर देकर कर स मान किया। मीडिया से बहिर्चीत में दास ने कहा कि बाबा महाकाल के बूटल अच्चे दरसन हुए। मैंने यहां पूजन भी की लगाया। आरबीआई गवर्नर दास का स मान श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति की ओर से श्री महाकालेश्वर भगवान की तस्वीर देकर कर स मान किया।

मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में कले टर रहे श्री जगदेश्वर शर्मा आईएसए एवं जिला पंचायत के मु य कार्यपालन अधिकारी की जगमोहन पुर्वे सहित कुल 7 लोगों को न्यायालय ने 4-4 साल जेल की सजा सुनाई है। कुल 9 लोगों के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल किया था।

मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में कले टर रहे श्री जगदेश्वर शर्मा आईएसए एवं जिला पंचायत के मु य कार्यपालन अधिकारी की जगमोहन पुर्वे सहित कुल 7 लोगों को न्यायालय ने 4-4 साल जेल की सजा सुनाई है। कुल 9 लोगों के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल किया था।

किसान चिंता न करें, सरकार हर संकट से निपट लेगी - मु यमंत्रि चौहान

* नुकसान से बचने किसानों को फसल उत्पादन के पैटर्न को बदलने
* 1500 करोड़ रुपए की लागत के आईटीसी की खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों का शिलान्यास
* 5000 लोगों को मिलेगा रोजगार
भोपाल। मु यमंत्रि श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज खीरौर के ओडिओ क्षेत्र बंधवखेड़ा में आईटीसी क पनी की कुल 1500 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित होने वाली दो इकाइयों-इंटीग्रेटेड फूड मैनुफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स से फैसिलिटी और सस्टेनेबल पैकेजिंग प्रोड्रेट्स सर्टिफिकेट क पैकेजिंग के क्षेत्र में नए मानक बनावेंगे। इससे इले ट्रांकिंग प्रकृति, फसलसिमी और फूड एंड बेवरेज से टर में पैकेजिंग के लिए प्लास्टिक का विकल्प मिलेगा। सीबीई



में फूड प्रोसेसिंग से टर में आईटीसी का यह निवेश राज्य के मैनुफैक्चरिंग से टर में मूल्य सृजन करेगा और एग्री-वैल्यू चेन में सहयोग देगा। शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मु यमंत्रि श्री चौहान ने कहा कि खेतों में मध्यप्रदेश ने देश के सभी जगहों को पीछे छोड़ दिया है। मध्यप्रदेश ने डेढ़ टकराते तल 18 प्रतिशत की कृषि विकास दर प्राप्त कर चमत्कार किया है। मु यमंत्रि ने कहा कि कहा कि फसल नुकसान से बचने और खेती को लाभ का पंचम बनने के लिए फसल उत्पादन के पैटर्न को बदलना होगा। परंपरागत फसलों के खत-सह्य व्यवस्थापन फसलों जैसे ओषधीय फसलों को भी उत्पादन की आवश्यकता है।

फसलों की किस्मों से किसानों को अधिक से अधिक लाभ हो सके। इसके लिए आईटीसी ने 7000 एकड़ में कुसुमी, अक्षय, कस्लीनी खेती की है। उन्होंने कहा कि खेती पर आधारित उद्योग धरोहर माना जा सकता है। परंपरागत फसलों के खत-सह्य व्यवस्थापन फसलों जैसे ओषधीय फसलों को भी उत्पादन की आवश्यकता है। फसलों की किस्मों से किसानों को अधिक से अधिक लाभ हो सके। इसके लिए आईटीसी ने 7000 एकड़ में कुसुमी, अक्षय, कस्लीनी खेती की है। उन्होंने कहा कि खेती पर आधारित उद्योग धरोहर माना जा सकता है। परंपरागत फसलों के खत-सह्य व्यवस्थापन फसलों जैसे ओषधीय फसलों को भी उत्पादन की आवश्यकता है। फसलों की किस्मों से किसानों को अधिक से अधिक लाभ हो सके। इसके लिए आईटीसी ने 7000 एकड़ में कुसुमी, अक्षय, कस्लीनी खेती की है। उन्होंने कहा कि खेती पर आधारित उद्योग धरोहर माना जा सकता है। परंपरागत फसलों के खत-सह्य व्यवस्थापन फसलों जैसे ओषधीय फसलों को भी उत्पादन की आवश्यकता है।

फसलों की किस्मों से किसानों को अधिक से अधिक लाभ हो सके। इसके लिए आईटीसी ने 7000 एकड़ में कुसुमी, अक्षय, कस्लीनी खेती की है। उन्होंने कहा कि खेती पर आधारित उद्योग धरोहर माना जा सकता है। परंपरागत फसलों के खत-सह्य व्यवस्थापन फसलों जैसे ओषधीय फसलों को भी उत्पादन की आवश्यकता है। फसलों की किस्मों से किसानों को अधिक से अधिक लाभ हो सके। इसके लिए आईटीसी ने 7000 एकड़ में कुसुमी, अक्षय, कस्लीनी खेती की है। उन्होंने कहा कि खेती पर आधारित उद्योग धरोहर माना जा सकता है। परंपरागत फसलों के खत-सह्य व्यवस्थापन फसलों जैसे ओषधीय फसलों को भी उत्पादन की आवश्यकता है। फसलों की किस्मों से किसानों को अधिक से अधिक लाभ हो सके। इसके लिए आईटीसी ने 7000 एकड़ में कुसुमी, अक्षय, कस्लीनी खेती की है। उन्होंने कहा कि खेती पर आधारित उद्योग धरोहर माना जा सकता है। परंपरागत फसलों के खत-सह्य व्यवस्थापन फसलों जैसे ओषधीय फसलों को भी उत्पादन की आवश्यकता है।

